

बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया रवाना



बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया रवाना

भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान : बोधराज सीकरी

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। जनता रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम जिसमें धर्मेन्द्र बजाज, जी.एन गोसाई, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, पी.पी मेहता, अशोक आर्य (प्रधान, केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को बोधराज सीकरी ने बस में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने एक ओर हरी झंडी दिखाई और दूसरी ओर अध्यात्म के बारे में



बताया व साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा बताई। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक

बताया। एक और बस रविवार को प्रातः 5:30 बजे 4-8 मरला से बुजुर्गों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी और रात को तीर्थ व स्नान के बाद वापस आ जाएगी।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुगदाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बोधराज सीकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को किया तीर्थ यात्रा पर रवाना

बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया रवाना

भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान - बोधराज सीकरी

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। जनता रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। प्रातः 6 बजे बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम जिसमें धर्मेन्द्र बजाज, जी.एन गोसाई, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, पी.पी



मेहता, अशोक आर्य (प्रधान, केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को बोधराज सीकरी ने बस में प्रातः 6 बजे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने एक ओर हरी झंडी दिखाई और दूसरी ओर अध्यात्म के बारे में बताया व साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा

बताई। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया। बोधराज सीकरी ने उदाहरण देते हुए बताया कि किसी ने जब संत सूरदास से पूछा कि आप मंदिर जाते हो पर आप देख नहीं पाते हो, तो वहाँ पर क्या

करने जाते हो। इस पर संत सूरदास ने बड़ा ही सुंदर उत्तर दिया कि मैं नहीं देख सकता तो क्या हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा ईश्वर तो मुझे देख सकता है।

इसी भक्तिभाव और ईश्वर में अनन्य आस्था के निमित्त हम मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक आर्य जी और धर्मेन्द्र बजाज ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया।

एक और बस रविवार को प्रातः 5-30 बजे 4-8 मरला से बुजुर्गों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी और रात को तीर्थ व स्नान के बाद वापस आ जाएगी।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

गुरुग्राम से दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थी तीर्थ यात्रा पर रवाना

बोधराज सीकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने किया रवाना

वृंदावन और मथुरा की तीर्थ यात्रा करेंगे विद्यार्थी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जनता रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को शुक्रवार को सुबह 6 बजे पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा।

महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम के सदस्य धर्मेन्द्र बजाज, जीएन गोसाईं, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओपी कालरा, पीपी मेहता, अशोक आर्य (प्रधान



गुरुग्राम से तीर्थ यात्रा के लिए बस को रवाना करते बोधराज सीकरी।

केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने से बोधराज सीकरी ने बस को हरी झंडी दिखाई। इससे पूर्व उन्होंने अध्यात्म के बारे में बताया। साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा बताई। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया। बोधराज

सीकरी ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया।

इस प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक आर्य और धर्मेन्द्र बजाज ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया।

एक अन्य बस रविवार की सुबह 5.30 बजे 4-8 मरला से बुजुर्गों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी। रात को तीर्थ व स्नान के बाद वापस आ जाएगी।

रण टाइम्स

भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान : बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। जनता रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। प्रातः 6 बजे बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम जिसमें धर्मेन्द्र बजाज, जी.एन गोसाईं, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, पी.पी मेहता, अशोक आर्य (प्रधान, केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को बोधराज सीकरी ने बस में प्रातः 6 बजे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने एक ओर हरी झंडी दिखाई और दूसरी ओर अध्यात्म के बारे में बताया व साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा बताई। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान



रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया।

बोधराज सीकरी ने उदाहरण देते हुए बताया कि किसी ने जब संत सूरदास से पूछा कि आप मंदिर जाते हो पर आप देख नहीं पाते हो, तो वहाँ पर क्या करने जाते हो। इस पर संत सूरदास ने बड़ा ही सुंदर उत्तर दिया कि मैं नहीं देख सकता तो क्या



हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा ईश्वर तो मुझे देख सकता है। इसी भक्तिभाव और ईश्वर में अनन्य आस्था के निमित्त हम मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक आर्य जी और धर्मेन्द्र बजाज ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया।

एनसीआर टाइम

एनसीआर
टाइम

गुरुग्राम/एनसीआर

शनीवार 3 जून 2023

1

बोधराज सीकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को किया तीर्थ यात्रा पर रवाना



बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया रवाना

भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम जनता रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। प्रातः 6 बजे बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम जिसमें

धर्मेन्द्र बजाज, जी.एन गोसाई, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, पी.पी मेहता, अशोक आर्य (प्रधान, केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को बोधराज सीकरी ने बस में प्रातः 6 बजे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने एक ओर हरी झंडी दिखाई और दूसरी ओर अध्यात्म के बारे में बताया व साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा बताई। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया। बोधराज सीकरी ने उदाहरण देते हुए बताया कि किसी ने जब संत सूरदास से पूछा कि आप मंदिर जाते हो पर आप देख नहीं पाते हो, तो वहाँ पर क्या करने जाते हो। इस पर संत सूरदास ने बड़ा ही सुंदर उत्तर दिया कि मैं नहीं देख सकता तो क्या हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा ईश्वर तो मुझे देख सकता है। इसी भक्तिभाव और ईश्वर में अनन्य आस्था के निमित्त हम मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक आर्य जी और धर्मेन्द्र बजाज ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया।

एक और बस रविवार को प्रातः 5:30 बजे 4-8 मरला से बुजुर्गों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी और रात को तीर्थ व स्नान के बाद वापस आ जाएगी।

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

वर्ष : 14 अंक : 345

भिवानी शनिवार 03 जून 2023

मूल्य : 3.00 रुपये

कुल पृष्ठ : 8

8:02 AM

गुरुग्राम से दृष्टिहीन व असहाय विद्यार्थी तीर्थ यात्रा पर रवाना

बोधराज सीकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने किया वृंदावन और मथुरा में तीर्थ यात्रा को रवाना



गुरुग्राम (राकेश)। जनता रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को शुक्रवार को सुबह 6 बजे पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम के सदस्य धर्मेन्द्र बजाज, जीएन गोसाईं, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओपी कालरा, पी.पी मेहता, अशोक आर्य

(प्रधान केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने से बोधराज सीकरी ने बस को हरी झंडी दिखाई। इससे पूर्व उन्होंने अध्यात्म के बारे में बताया। साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा बताई। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया।

बोधराज सीकरी ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक आर्य और धर्मेन्द्र बजाज ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया। एक अन्य बस रविवार की सुबह 5-30 बजे 4-8 मरला से बुजुर्गों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी। रात को तीर्थ व स्नान के बाद वापस आ जाएंगे।

8:02 AM

ओपन सर्च

बोधराज सीकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को किया तीर्थ यात्रा पर खाना

बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया खाना

■ भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान : बोधराज सीकरी

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतवीर भारद्वाज

गुरुग्राम। जनता रिहॉबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। प्रातः 6 बजे बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम गिरसमें



धर्मेन्द्र बजाज, जी.एन गोस्वामी, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओ.पी.कालरा, पी.पी.मेहता, अशोक आर्य (प्रधान,



केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को बोधराज सीकरी ने बस में प्रातः 6 बजे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने एक ओर हरी झंडी दिखाई और दूसरी ओर अंधाश्रम के बारे में बताया व साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा बताया। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया।

बोधराज सीकरी ने उदाहरण देते हुए बताया कि किसी ने जब संत सूरदास से पूछा कि आप मंदिर जाते हो पर आप देख नहीं पाते हो, तो वहाँ पर क्या करते जाते हो। इस पर संत सूरदास ने कहा कि सुंदर उत्तर

दिया कि मैं नहीं देख सकता तो क्या हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा ईश्वर तो मुझे देख सकता है।

इसी भक्तिभाव और ईश्वर में अनन्य आस्था के विभिन्न हम मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार मनोचरण के साथ अशोक आर्य जी और धर्मेन्द्र बजाज ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया।

एक और बस रविवार को प्रातः 5:30 बजे 4-8 मरला से बुलुगों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी और रात की तीर्थ व स्नान के बाद वापस आ जाएगी।

3 महाराष्ट्र हरियाणा
गुरुदास जी 22 वल्लभ (1) के लिए
एक मंदिर मथुरा में बनाने का फैसला



पृष्ठ 11

6 विचार क्रान्ति
भारत राष्ट्र के जीवन में नया
आयतन

राष्ट्रीय दैनिक

8 हरियाणा
नौवें छत्तीस दिनों के बाद
किसानों का आंदोलन - हरियाणा

गुरुदास जी 22 वल्लभ (1) के लिए
एक मंदिर मथुरा में बनाने का फैसला

10 फीयर
कब तक है यह
रुद्धि का फैसला

12 हरियाणा
गुरुदास जी 22 वल्लभ (1) के लिए
एक मंदिर मथुरा में बनाने का फैसला



पृष्ठ : 44 प्रकाश : 152

जीन्द

रविवार, 3 जून, 2023

एक 12 | मूल ₹3

हरियाणा का सर्वप्रथम एलेक्ट्रॉनिक हिन्दी दैनिक

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail : jagatkrantijind@gmail.com

जीन्द, (हरियाणा) से प्रकाशित

जगत क्रान्ति

दृष्टिहीन और असहाय छात्रों को वृंदावन व मथुरा दर्शन को बस रवाना

जगत क्रान्ति ► एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : जनता रिहैबिलिटेशन प्रशिक्षण केंद्र के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। इस मौके पर बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम धर्मेन्द्र बजाज, जीएन गोसाई, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओपी कालरा, पीपी मेहता, आर्य केंद्रीय सभा के प्रधान अशोक आर्य उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को वृंदावन, मथुरा और भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित प्रसंगों को विस्तार से बताया। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि किसी ने जब संत सूरदास से पूछा कि आप मंदिर जाते हो पर आप देख नहीं पाते हो, तो वहाँ पर क्या करने जाते हो।

इस पर संत सूरदास ने बड़ा ही सुंदर

उत्तर दिया कि मैं नहीं देख सकता तो क्या हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा ईश्वर तो मुझे देख सकता है। इसी भक्तिभाव और ईश्वर में अनन्य आस्था के निमित्त हम मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी ने तीर्थ की



महिमा का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक आर्य और धर्मेन्द्र बजाज ने छात्रों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति बड़ा योगदान रहा। उन्होंने बताया कि एक अन्य बस रविवार को 4-8 मरला से बुजुर्गों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी और रात को तीर्थ व स्नान के बाद वापिस गुरुग्राम आ जाएगी।

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सारथक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र



बोधराज सीकरी ने दृष्टिहीन और असहाय छात्रों को वृंदावन व मथुरा दर्शन के लिए बस से किया रवाना

भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। जनता रिहैबिलिटेशन प्रशिक्षण केंद्र के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। इस मौके पर बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम धर्मेन्द्र बजाज, जीएन गोसाईं, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओपी कालरा, पीपी मेहता, आर्य केंद्रीय सभा के प्रधान अशोक आर्य उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को वृंदावन, मथुरा और भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित प्रसंगों को विस्तार से बताया। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि किसी ने जब संत सूरदास से पूछा



बस को रवाना करते बोधराज सीकरी व अन्य।

कि आप मंदिर जाते हो पर आप देख नहीं पाते हो, तो वहीं पर क्या करने जाते हो। इस पर संत सूरदास ने बड़ा ही सुंदर उत्तर दिया कि मैं नहीं देख सकता तो क्या हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा ईश्वर तो मुझे देख सकता है।

इसी भक्तिभाव और ईश्वर में अनन्य आस्था के निमित्त हम मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया। इस

प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक आर्य और धर्मेन्द्र बजाज ने छात्रों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति बड़ा योगदान रहा। उन्होंने बताया कि एक अन्य बस रविवार को 4-8 मरला से बुजुर्गों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी और रात को तीर्थ व स्नान के बाद वापस आ जाएगी।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

बोधराज सीकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को किया तीर्थ यात्रा पर रवाना



भारत सारथी

गुरुग्राम। जनता रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। प्रातः 6 बजे बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम जिसमें धर्मेन्द्र बजाज, जी.एन गोसाई, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, पी.पी मेहता, अशोक आर्य (प्रधान, केंद्रीय आर्य

प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को बोधराज सीकरी ने बस में प्रातः 6 बजे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने एक ओर हरी झंडी दिखाई और दूसरी ओर अध्यात्म के बारे में बताया व साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा बताई। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया।

बोधराज सीकरी ने उदाहरण देते हुए बताया कि किसी ने जब संत सूरदास से पूछा कि आप मंदिर जाते हो पर आप देख नहीं पाते हो, तो वहाँ पर क्या करने जाते हो। इस पर संत सूरदास ने बड़ा ही सुंदर उत्तर दिया कि मैं नहीं देख सकता तो क्या हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा ईश्वर तो मुझे देख सकता है। इसी भक्तिभाव और ईश्वर में अनन्य आस्था के निमित्त हम मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया रवाना

भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान : बोधराज सीकरी

ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक आर्य जी और धर्मेन्द्र बजाज ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया।

एक और बस रविवार को प्रातः 5:30 बजे 4-8 मरला से बुजुर्गों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी और रात को तीर्थ व स्नान के बाद वापस आ जाएगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को किया तीर्थ यात्रा पर रवाना

- बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया रवाना
- भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। जनता रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। प्रातः 6 बजे बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम जिसमें धर्मेन्द्र बजाज, जी.एन. गोसाई, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओ.पी. कालरा, पी.पी. मेहता, अशोक आर्य (प्रधान, केन्द्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को बोधराज सीकरी ने बस में प्रातः 6 बजे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने एक ओर हरी झंडी दिखाई और दूसरी ओर अध्यात्म के



बारे में बताया व साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा बताई। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया।

बोधराज सीकरी ने उदाहरण देते

हुए बताया कि किसी ने जब संत सूरदास से पूछा कि आप मंदिर जाते हो पर आप देख नहीं पाते हो, तो वहाँ पर क्या करने जाते हो। इस पर संत सूरदास ने बड़ा ही सुंदर उत्तर दिया कि मैं नहीं देख सकता तो क्या हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा ईश्वर

तो मुझे देख सकता है। इसी भक्तिभाव और ईश्वर में अनन्य आस्था के निमित्त हम मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक आर्य जी और धर्मेन्द्र बजाज ने विद्यार्थियों को

अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया।

एक और बस रविवार को प्रातः 5:30 बजे 4-8 मरला से बुजुर्गों को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी और रात को तीर्थ व स्नान के बाद वापस आ जाएगी।

हिन्दी दैनिक

हिन्दी दैनिक

बोधराज साँकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महसंगठन ने दृष्टिहीन और असह्य विद्यार्थियों को कित्वा तीर्थ यात्रा पर खाना



इससे भविष्यवाणी और ईश्वर में अलग-अलग आस्था के निर्मित तम्र खींचे जाते हैं। योभनान् सौकीनी ने तीर्थ की



प्रहियम को भी लाहौरान किया। इस प्रकार भरोनापण के साथ अयोध आने की और धर्मद वजय ने विद्यार्थियों को अपने शुभकामना की और सब को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया। एक और बम गैलियम को घातः 5-30 बजे 4-8 माह में ब्रह्मर्षी को लेकर विरुद्ध के लिए रवाना होगी और सब को तीर्थ व साधन के बाद लक्ष्म आ जागी।

दैनिक मेवात

बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया खाना

भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान : बोधराज सीकरी



- दैनिक मेवात संवाददाता
गुणगुण वक्ता रिटैलिनेशन
ट्रेनिंग सेंटर के दुहितीन और
असहान विद्यार्थियों को आज
पंचायी विरादरी माससंगठन ने बस
के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ
यात्रा पर भेजा। प्रातः 6 बजे
बोधराज सीकरी के साथ उनकी
योग निसर्ग धर्म नवान, जी.एन
मोसाई, अमित कुमार, रमेश
कामरा, ओ.पी. कालरा, पी.पी
मेहता, अशोक आर्य (प्रधान,
केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा)

उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को
बोधराज सीकरी ने बस में प्रातः 6
बजे पीठक्यूटी स्मितास के सामने
एक ओर हरे झंडे दिखाई और दूसरे
ओर अण्डास के बारे में बताया।
साथ ही साथ वृंदावन की महिमा
और मथुरा की महिमा बताई।
भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति
नया योगदान रहा, उसके बारे में
भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों
को विस्तारपूर्वक बताया।

बोधराज सीकरी ने उद्घरण
देते हुए बताया कि किसी ने जब

संत मुरदास से
सूछा कि आप
मंदिर जाते हो पर
आप देख नहीं पाते हो, तो पार्श्व
पर गया करने जाते हो। इस पर
संत मुरदास ने बहुत ही सुंदर उत्तर
दिया कि मैं नहीं देख सकता तो
क्या हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा
ईश्वर तो मुझे देख सकता है।

इसी भक्तिभाव और ईश्वर में
अनन्य आस्था के निमित्त हम
मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी ने
तीर्थ को महिमा का भी उद्घरण

किया। इस प्रकार संवेचना के
साथ आशोक आर्य जी और धर्म
बोधराज ने विद्यार्थियों को अपनी
सुचालनमयरी दी और बस को तीर्थ
स्थान के लिए खाना किया। एक
और बस रॉकिंग को प्रातः 5:30
बजे 4-8 मराल से पुनर्गो को
लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी
और रात को तीर्थ व स्थान के बाद
माध्यम आ जाएगी।

आज समाज

www.aajsamaj.com

विद्या
साधन

दृष्टिहीन व असहाय विद्यार्थियों को तीर्थ यात्रा पर किया रवाना

- बोधराज सीकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने किया रवाना
- वृंदावन और मथुरा में तीर्थ यात्रा करेंगे विद्यार्थी

आज समाज नेटवर्क

गुरुग्राम। जनता रिहॉबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को शुरुआत को सुबह 6 बजे पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम के सदस्य धर्मेद बजाज, जेएन गोसवाई, अनिल कुमार, रमेश कामरा, ओपी कालरा,

पी.पी. मेहता, अशोक अर्ष (प्रधान केन्द्रीय अर्ष प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को पीडब्ल्यूडी रैस्ट हाउस के सामने से बोधराज सीकरी ने बस को हट्टी दिखाई। इससे पूर्व उन्होंने अर्षात्म के बारे में बताया।

साथ ही साथ वृंदावन की मंदिम और मथुरा की मंदिम बताई। भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को

विवरणापूर्वक बताया।

बोधराज सीकरी ने तीर्थ की मंदिम का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार मंत्रोच्चारण के साथ अशोक अर्ष और धर्मेद बजाज ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया। एक अन्य बस रविवार को सुबह 5:30 बजे 4-8 मरला से कुजुरी को लेकर हरिद्वार के लिए रवाना होगी। रात को तीर्थ व स्थान के बाद वापस आ जाएगी।



गुरुग्राम से तीर्थ यात्रा के लिए बस को रवाना करते बोधराज सीकरी।

बोधराज सीकरी की अगुवाई में पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों का किया तीर्थ यात्रा पर रवाना



बोधराज सीकरी ने वंदावन और मथरा दर्शन के लिए बस को किया रवाना

भगवान कृष्ण का पर्यावरण के प्रति अहम योगदान : बोधराज सीकरी

[illegible]

विचारधारा को सौंपवाने लीकरी के वक्त से प्राप्त 6 वें पीढ़ेवर्षावृद्धि देकर हाउस के लानने एक और बड़ी झंझट पैदा हुई और दूसरी ओर अन्धकार के बारे में बताया गया था ही शायद युवावतन की लड़कियाँ और अनुपम की लड़कियाँ बचती। अन्धकार युवावतन का पर्यावरण के प्रति क्या योगदान देता, उसके बारे में भी सौंपवाने लीकरी के विचारधारा को सौंपवाने के वक्त था।





CAPITAL
Euphoria

ONE TRUSTED NAME SINCE 2010
WE ARE THE BEST LOAN PROVIDER. WE DEAL IN

1. BUSINESS LOAN
2. PERSONAL LOAN
3. AUTO LOAN
4. LOAN AGAINST PROPERTY
5. JOINTING LOAN
6. OVERDRAFT



PHONE NO:- 9448070222/9448070223

"YOUR IDEAS HAVE OUR BACKS AND WE'LL BE THERE TO SUPPORT THEM"

Home » [Society & Arts](#) » बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया रवाना

बोधराज सीकरी ने वृंदावन और मथुरा दर्शन के लिए बस को किया रवाना

[ajeeybharat](#) • Friday, June 02, 2023

बोधराज सीकरी की अगुआई में पंचाबी बिरादरी महासंघान ने दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को किया तीर्थ यात्रा पर रवाना

भगवान कृष्ण का पर्यवरण के प्रति अहम योगदान : बोधराज सीकरी



गुरुग्राम: पन्ना रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर के दृष्टिहीन और असहाय विद्यार्थियों को आज पंचाबी बिरादरी महासंघान ने बस के माध्यम से वृंदावन, मथुरा तीर्थ यात्रा पर भेजा। प्रातः 6 बजे बोधराज सीकरी के साथ उनकी टीम जिसमें पण्डित बन्नाज, वी.एन.रोसाई, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ओ.पी.कालरा, पी.पी.मेहता, अशोक आर्षे (प्रधान), केटीय आर्षे (प्रतिनिधि सभा) उपस्थित रहे।



विद्यार्थियों को बोधराज सीकरी ने बस में प्रातः 6 बजे पैंडक्लुटी रैफ्ट हाउस के सामने एक ओर हरी झंडी दिखाई और दूसरी ओर अम्बाला के बारे में बताया व साथ ही साथ वृंदावन की महिमा और मथुरा की महिमा बताई। भगवान कृष्ण का पर्यवरण के प्रति क्या योगदान रहा, उसके बारे में भी बोधराज सीकरी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया।

बोधराज सीकरी ने जटहरण देते हुए बताया कि किसी ने जब संत मुरदास से पूछा कि आप मंदिर जाते हो पर आप देख नहीं पाते हो, तो वहाँ पर क्या करने जाते हो। इस पर संत मुरदास ने बड़ा ही सुंदर उत्तर दिया कि मैं नहीं देख सकता तो क्या हुआ मेरा प्यार भगवान, मेरा ईश्वर तो मुझे देख सकता है।

इसी भक्तिभाव और ईश्वर में अत्यंत आस्था के निमित्त हम मंदिर जाते हैं। बोधराज सीकरी ने तीर्थ की महिमा का भी व्याख्यान किया। इस प्रकार संयोजन के साथ अशोक आर्षे जी और पण्डित बन्नाज ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और बस को तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया।